आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

साप्ताहिक समाचार पत्र

त्रिकाल दृष्टि

सच का दर्पण

वर्ष-2 अंक-22, भोपाल, सोमवार, 26 जून से 02 जुलाई 2017 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रूपये www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

उत्तर कोरिया ने एक और बलिस्टिक मिसाइल परीक्षण किया

गयांग। एक ओर जहां अमेरिका और चीन उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम पर आपस में उलझे हुए हैं, वहीं दूसरी ओर प्योंगयांग के मिसाइल परीक्षणों का दौर बदस्तूर जारी है। नॉर्थ कोरिया ने एक और बलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है। यह मिसाइल जापान की सीमा के नजदीक समुद्र में जाकर गिरा। दक्षिण कोरिया और जापान ने इन परीक्षणों की पुष्टि की है। दक्षिण कोरिया की सेना ने बताया कि प्योंगयांग ने एक 'अज्ञात बलिस्टिक मिसाइल' छोड़ा और वह मिसाइल जापान के पास समुद्र में जाकर गिरा। इस साल की शुरुआत से लेकर अब तक उत्तर कोरिया 11 मिसाइल परीक्षण कर चुका है। इस ताजा मिसाइल परीक्षण से ठीक पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने उत्तर कोरिया के मिसाइल व परमाणु हथियार कार्यक्रम पर जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ चर्चा की थी। दूसरी तरफ संयुक्त राष्ट्र (UN) में चीन के राजदूत ने कहा कि अगर उत्तर कोरिया के साथ कायम तनाव को कम करने का रास्ता नहीं खोजा गया, तो इसके परिणाम बेहद गंभीर और विनाशकारी हो सकते हैं। चीन का कहना है कि अगर जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं तलाशा गया, तो स्थिति काबू से बाहर चली जाएगी। ट्रंप द्वारा उत्तर कोरिया मसले पर शी चिनफिंग से बात किए जाने के एक दिन बाद राजदूत ल्यू जेई ने यह बयान दिया। जेई ने कहा, 'फिलहाल पश्चिमी देशों और उत्तर कोरिया के बीच बहुत ज्यादा तनाव है। हम चाहते हैं कि स्थितियां बेहतर हों।' एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'अगर यह तनाव बढ़ता जाता है, तो देर-सवेर हालात काबू से बाहर चले जाएंगे और इसके नतीजे बेहद भयावह साबित होंगे।' मालूम हो कि चीन उत्तर कोरिया का सहयोगी है। चीन का कहना है कि प्योंगयांग के साथ बातचीत कर इस समस्या का समाधान तलाशने की कोशिश की जानी चाहिए। उधर, अमेरिका चाहता है कि चीन उत्तर कोरिया पर दबाव बनाकर उसे अपना परमाणु कार्यक्रम रोकने के लिए तैयार करे। चीन इसके लिए तैयार नहीं है। हाल ही में ट्रंप ने ऐलान किया था कि उत्तर कोरिया को रोकने की चीन की कोशिशें नाकाम साबित हुई हैं।

जानिए वो क्या हैं वजहें, जिनके कारण महागठबंधन नहीं छोड़ेंगे नीतीश कुमार

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के तेवर आजकल कुछ अलग कहानी कह रहे हैं। ऐसे में लोगों के मन में तमाम तरह के प्रश्न हैं कि क्या नीतीश महागठबंधन का दामन छोड़कर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का दामन थाम लेंगे और अगर वो ऐसा करेंगे तो कब करेंगे? इसे लेकर अटकलों का दौर लगातार गरम है। खास बात ये है कि नीतीश कुमार के कुछ बयानों से इन अटकलों को हवा मिलना लाजिमी है। पहले उन्होंने महागठबंधन के सहयोगी दल लालू प्रसाद यादव के राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस पार्टी से इतर जाकर नोटबंदी का समर्थन किया, जिसके बाद बवाल मचा और ये मामला कुछ दिनों तक जोर-शोर से चला कि नीतीश कुमार को पीएम मोदी पसंद आ रहे। उसके बाद राष्ट्रपति चुनाव के मसले पर उन्होंने विपक्षी पार्टियों से बात किए बगैर एनडीए के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रामनाथ कोविंद के नाम का समर्थन करने की घोषणा कर दी। जीएसटी के मसले पर जहां कांग्रेस और राजद ने विशेष सत्र का बहिष्कार करने की बात कही, वहीं नीतीश कुमार ने अपनी पार्टी की ओर से इस बैठक में भाग लेने के लिए राज्य के वाणिज्य मंत्री को भेजा और पार्टी सांसदों की मौजूदगी की सार्वजनिक घोषणा भी कर दी। इतना ही नहीं, रविवार को जनता दल यूनाइटेड की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में नीतीश कुमार ने महागठबंधन के सहयोगी दल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए साफ़ शब्दों में कहा कि वे ना तो कांग्रेस पार्टी की तरह अपने सिद्धांतों को तिलांजलि देते रहे हैं।

सोशल मीडिया पर अनुसूचित जाति-जनजाति का अपमान दंडनीय अपराधः हाईकोर्ट

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति समुदाय के किसी व्यक्ति का अपमान करना दंडनीय अपराध है। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को कहा कि क्लोज ग्रुप में भी इस तरह की टिप्पणी करने वाला व्यक्ति कानूनी मुश्किल में फंस सकता है। हाई कोर्ट ने कहा कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निषेध) कानून, 1989 इस समुदाय के लोगों पर सोशल मीडिया पर की गई जातिगत टिप्पणियों पर भी लागू होगा। कोर्ट ने यह बात एक फेसबुक पोस्ट को लेकर दर्ज की गई याचिका पर सुनवाई के दौरान कही। हाई कोर्ट के इस फैसले के दायरे में अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे वॉट्सऐप चैट भी आ सकते हैं।

जस्टिस विपिन सांघी ने कहा कि यदि कोई फेसबुक यूजर अपनी सेटिंग को 'प्राइवेट' से 'पब्लिक? करता है, इससे जाहिर होता है कि उसके 'वॉल' पर लिखी गई बातें न सिर्फ उसके फ्रेंड लिस्ट में शामिल लोग देख सकते हैं, बल्कि अन्य फेसबुक यूजर्स भी देख सकते हैं। हालांकि, किसी अपमानजनक टिप्पणी को पोस्ट करने के बाद अगर प्राइवेसी सेटिंग को 'प्राइवेट' कर दिया जाता है, तो भी उसे एससी/एसटी ऐक्ट की धारा 3(1)(एक्स) के तहत दंडनीय अपराध माना जाएगा। कोर्ट ने यह फैसला एक अनुसूचित जाति की महिला की याचिका पर हो रही सुनवाई के बाद दिया। महिला का आरोप है कि उसकी देवरानी राजपूत समुदाय से है। देवरानी सोशल नेटवर्क साइट फेसबुक पर उसे प्रताड़ित कर रही है और उसने धोबी के लिए गलत शब्दों का इस्तेमाल किया। अभियोजन पक्ष की वकील नंदिता राव ने कोर्ट से कहा कि आरोपी ने एससी/एसटी ऐक्ट के तहत अपराध किया है। राजपूत महिला ने जानबूझ कर अपनी दलित भाभी का अपमान करने के लिए फेसबुक पर पोस्ट किया था।

अपने बचाव में राजपूत महिला ने कहा कि उसकी फेसबुक पोस्ट को अगर सच भी मान लिया जाए, तो वह उसकी फेसबुक 'वॉल' है। इसका मकसद किसी को ठेस पहुंचाना नहीं था। आरोपी ने यह दलील भी दी कि उसके पोस्ट में उसने कभी अपनी भाभी का जिक्र नहीं किया। देवरानी ने कहा कि उसने धोबी समुदाय की महिलाओं को लेकर पोस्ट लिखी थी, न कि किसी खास व्यक्ति के लिए।

अंत में उसने अपना बचाव करते हुए कहा कि फेसबुक वॉल प्राइवेट स्पेस है और किसी को हक नहीं है कि वह खुद आहत महसूस कर उसके अधिकारों का हनन करे। हालांकि, कोर्ट ने राजपूत महिला को राहत देते हुए उसके खिलाफ दायर एफआईआर खारिज कर दी। कोर्ट ने माना कि अगर कोई बात सामान्य तौर पर कही गई है और उसे किसी जाति विशेष के व्यक्ति को लक्ष्य बना कर नहीं कहा गया है, तो फिर वह अपराध नहीं माना जाएगा। कोर्ट ने राजपूत महिला की उस दलील को भी खारिज कर दिया, जिसमें उसने कहा था कि फेसबुक उसका प्राइवेट स्पेस है।

इस्रायल दुनिया के सबसे अहम पीएम का इस्तकबाल करने को तैयार

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी मंगलवार को इस्रायल के तीन दिवसीय दौरे पर जा रहे हैं. यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री का पहला इस्रायली दौरा है. पीएम मोदी द्विपक्षीय राजनयिक संबंधों की स्थापना के 25वीं वर्षगांठ पर वहां पहुंच रहे हैं. इस्रायल ने भारतीय पीएम के इस दौरे को ऐतिहासिक करार दिया है. कुछ दिन पूर्व एक इस्रायल अखबार ने अपने संपादकीय में इस दौरे की अहमियत बताते हुए लिखा था कि दुनिया के सबसे अहम पीएम इस्रायल आ रहे हैं. इसकी बानगी इस तरह भी समझी जा सकती है कि पीएम मोदी जब तेल अवीव एयरपोर्ट पर उतरेंगे तो उनका स्वागत कमोबेश उसी अंदाज में होगा जिस तरह अमेरिकी राष्ट्रपति का होता है. माना जा रहा है कि इस्रायल पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और उनके कैबिनेट मंत्रियों समेत 50 बड़ी हस्तियां मोदी के स्वागत के लिए वहां मौजूद होंगी. अब सवाल उठता है कि आखिर इस्रायल, पीएम मोदी के दौरे को इतनी अहमियत क्यों दे रहा है. उसकी कुछ वजह ऐतिहासिक हैं. दरअसल भारत की शुरुआती विदेश नीति का झुकाव इस्रायल के विरोधी अरब देशों की तरफ रहा है. 1947 में संयुक्त राष्ट्र में इस्रायलदेश बनाने के लिए फलीस्तीन विभाजन प्रस्ताव का विरोध किया था. हालांकि तीन वर्षों बाद 1950 में भारत ने इस्रायल को मान्यता दे दी. उसके बाद 1992 में पीवी नरसिम्हा राव की सरकार के दौरान दोनों देशों के बीच पूर्ण कूटनयिक संबंध स्थापित हुए. उसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में बीजेपी सरकार के सत्ता में आने के बाद इस्रायल के साथ संबंधों को तरजीह दी गई. बीजेपी शुरू से ही इस्रायल के साथ बेहतर संबंधों की हिमायती रही है. उसके दौर में दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत बनकर उभरे हैं.

पिछले एक दशक में दोनों देशों के रिश्ते काफी गहरे हुए हैं. इस दौर में राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी, विदेश मंत्री सुषमा स्वराज और यूपीए सरकार के दौरान एसएम कृष्णा इस्रायल की यात्रा कर चुके हैं. इन नेताओं के दौरे की खास बात यह रही है कि इन्होंने फलस्तीनी क्षेत्रों का भी दौरा किया था. लेकिन इन सबसे इतर पीएम मोदी फलीस्तीनी क्षेत्रों का दौरा नहीं करेंगे. इस्रायल में इसे भारत की बदलती विदेशी नीति के रूप में देखा जा रहा है और संभवतया इसीलिए पीएम मोदी के दौरे को ऐतिहासिक बताते हुए इतनी तवज्जो भी दे रहा है.

बदलते रिश्ते: इसके अलावा भारत दुनिया की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था वाला देश है. उधर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से उनकी इस्रायल नीति के बारे में अभी अनिश्चितता का माहौल बरकरार है. इस पृष्ठभूमि में इस्रायल के एक अखबार 'हारिट्ज' ने विश्लेषण करते हुए लिखा है कि अनिश्चितता के इस माहौल में भारत, 'इस्रायल का सबसे बड़ा सहयोगी' बनकर उभर सकता है।

केरल के श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर की मूर्ति के मस्तक पर लगे आठ प्राचीन हीरे गायब

नई दिल्ली। केरल के प्रसिद्ध पद्मनाभस्वामी मंदिर से आठ बेशकीमती हीरे गायब होने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है. एमिकस गोपाल सुब्रमण्यम ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में बताया कि भगवान पद्मनाभस्वामी की मूर्ति के मस्तक पर लगे आठ प्राचीन हीरे गायब हैं. मंदिर में भगवान पद्मनाभस्वामी की प्रतिमा के तिलक में इस्तेमाल होने वाले आठ प्राचीन हीरे लापता हैं. इन्हें गर्भगृह के पास ही तिजोरियों में रखा जाता था, लेकिन इस साल मई में इनके लापता होने का पता चला. मंदिर के खजांची को कीमती चीजों की जांच के दौरान इस बात का पता लगा. केरल पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है।

इंटरनेशनल आतंकी घोषित होने के बाद PAK ने बढ़ाई सलाहुद्दीन की सुरक्षा

इस्लामाबाद। अमेरिका से इंटरनेशनल आतंकी घोषित होने के बाद हिज्बुल मुजाहिद्दीन सरगना सैय्यद सलाहुद्दीन के बाद से ही पाकिस्तान उसे बचाने की कोशिश कर रहा है. अब खबर है कि पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों ने सलाहुद्दीन की सुरक्षा बढ़ा दी है. सलाहुद्दीन के साथ ही मोस्ट वांटेड आतंकी हाफिज सईद की भी सुरक्षा में बढ़ोतरी की गई है. पिछले 15 दिनों में हाफिज सईद की लोकेशन को लगभग 4 बार बदला जा चुका है, वहीं सलाहुद्दीन की भी लोकेशन लगातार बदलवाई जा रही है. अमेरिका के द्वारा आतंकी घोषित किए जाने के बाद सलाहुद्दीन की सुरक्षा तीन लेयर की कर दी गई है, सबसे पहले लेयर में सलाहुद्दीन के पर्सनल सुरक्षा कर्मी हैं, दूसरे लेयर में पाकिस्तानी पुलिस और तीसरे लेयर में ISI के एजेंट. पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसियों को डर है कि भारत और अमेरिका की एजेंसियां भी सलाहुद्दीन पर लगातार नज़र बनाए हुए हैं, इसलिए उसकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

शनिश्चरी अमावस्या पर हजारों श्रद्धालुओं ने शिप्रा में

कलेक्टर श्री भोंड़वे ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया

उज्जैन। शनिश्चरी अमावस्या के पर्व पर त्रिवेणी शनि मंदिर पर हजारों श्रद्धालुओं ने शिप्रा नदी में स्नान कर शनिदेव के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस बार जिला प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं के लिए सुगमता से शनिदेव के दर्शन और स्नान घाट पर जाने के लिए अलग-अलग व्यवस्थाएँ की गईं। दशनार्थियों द्वारा व्यवस्थाओं की सराहना की गई। कलेक्टर श्री संकेत भोंड़वे ने घूम-घूम कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। श्री भोंड़वे ने नाव में बैठकर व्यवस्थाएँ देखीं और अधिकारियों को व्यवस्थाओं के बारे में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

स्नानघाटों पर साफ-सफाई की उत्तम व्यवस्थाएँ की गई। घाटों पर श्रद्धालुओं द्वारा पुराने कपड़े, जूते-चप्पल उतारने और कचरा आदि रखने पर तुरन्त सफाई कर्मियों द्वारा सफाई की जा रही थी। घाट पर महिलाओं के स्नान करने के बाद कपड़े बदलने के लिए अलग से व्यवस्था की गई थी। जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की शानदार तैयारियों से शनिश्चरी अमावस्या पर श्रद्धालुओं को व्यवस्थित शिप्रा में स्नान हुआ वहीं भगवान शनिदेव के दर्शन सुलभ हो सके। हजारों श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी घाट के अलावा प्रशांति धाम घाट एवं प्रशांति घाट के सामने सिंहस्थ में बने वी.आई.पी. घाट पर शिप्रा नदी में स्नान कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। त्रिवेणी घाट पर श्रद्धालुओं के लिए फव्वारे भी लगाए गए थे। फव्वारों से भी कई श्रद्धालुओं ने स्नान किया।

जिला प्रशासन के द्वारा तैराक दलों को भी तैनात किया गया था। शिप्रा नदी में त्रिवेणी घाट पर रस्से का पुल भी बनाया गया था ताकि कोई घटना घटित होने पर स्थिति पर नियंत्रण किया जा सके। कलेक्टर श्री संकेत भोंड़वे के अलावा अपर कलेक्टर श्री वसंत कुर्रे, डिप्टी कलेक्टर श्री अवधेष शर्मा, तहसीलदार श्री संजय शर्मा सतत व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे थे। इस अवसर पर शनि मंदिर पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तैनात किया गया था। होमगार्ड के तैराकों की यूनिफार्म में तैनाती की गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा शनिमंदिर परिसर में पर्याप्त मात्रा में स्वास्थ्य रक्षक दवाईयाँ रखकर अस्थाई डिस्पेंसरी बनाई गई थी। कलेकटर श्री संकेत भोंड़वे के निर्देशन में दान दाताओं के लिए दान की कैशलेस व्यवस्था की गई। दान दाता मशिनों पर क्रेडिट कार्ड व डेबिट कार्ड के माध्यम से दान कर रहे थे।

ऑक्सीजन सप्लाई बंद होने से पांच मौतों की अफवाह से हड़कंप

उज्जैन। डिजिटल ट्रांजेक्शन को प्रोत्साहित करने के लिये सभी खाताधारकों को कहा गया है कि वे अपना मोबाइल और आधार नम्बर बैंक खाते से जुड़वायें। आधार नम्बर जुड़वाने से फोन के माध्यम से फण्ड ट्रांसफर व बैलेंस इंक्वायरी की जा सकती है, मिनी स्टेटमेंट कहीं पर भी देखे जा सकते हैं। यह सुविधा 12 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है। मोबाइल नम्बर खाते से जोड़ने पर स्मार्टफोन धारक को BHIM एप के माध्यम से विभिन्न बैंकिंग सुविधाएं घर बैठे प्राप्त हो सकती हैं। अधिक जानकारी के लिये www.meity.gov.in, www.uidai.gov.in अथवा npci.org.in का विजिट किया जा सकता है।

कैशलेस ट्रांजेक्शन को बढ़ावा कैशलेस व्यवहार को बढ़ावा देने के लिये भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा विभिन्न विभागों को दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। इन दिशा-निर्देशों का पालन करने के लिये कलेक्टर श्री संकेत भोंडवे ने अग्रणी जिला प्रबंधक बैंक ऑफ इण्डिया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, नगर निगम आयुक्त एवं सभी विभागों को सूचना-पत्र जारी किया गया है। कैशलेस व्यवहार को बढ़ावा देने के लिये भारत सरकार द्वारा भीम एप, आधार पे तथा डेबिट कार्ड्स का उपयोग अधिक से अधिक करते हुए नेशनल डिजिटल पेमेंट मिशन को लागू किया गया है।

जिले में मुख्यमंत्री कौशल एवं कौशल्या योजना में

उज्जैन। मुख्यमंत्री कौशल संवर्द्धन एवं कौशल्या योजना अन्तर्गत युवक एवं युवतियों का पंजीयन कार्य किया जा रहा है। जिले में अब तक विभिन्न केन्द्रों पर 15 हजार 950 पंजीयन हो चुके हैं। जिले के लिये राज्य शासन द्वारा 14 हजार 579 पंजीयन का लक्ष्य दिया गया था। इसका 113 प्रतिशत हासिल कर लिया गया है। कलेक्टर श्री संकेत भोंडवे ने पंजीयन कार्य जारी रखते हुए 25 हजार युवक-युवतियों का पंजीयन करने के निर्देश विभिन्न विभागों के अधिकारियों को दिये हैं। आईटीआई के प्राचार्य श्री सुनील ललावत ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिदिन लगभग एक हजार से 1300 पंजीयन किये जा रहे हैं। इनमें विभिन्न विकास खण्डों में 9542 पंजीयन, स्थानीय नगरीय निकायों में 6408 पंजीयन किये गये हैं। पंजीकृत किये गये कुल व्यक्तियों में 8516 पुरूष एवं 7434 महिलाओं का पंजीयन कौशल संवर्द्धन के लिये किया गया है।

उल्लेखनीय है कि विभिन्न जनपदों एवं नगर परिषदों में कौशल पंजीयन मेले आयोजित किये गये एवं निरन्तर महिला एवं बाल विकास विभाग, जनपद एवं नगरीय निकायों द्वारा ली जा रही रूचि के कारण पंजीयन का लक्ष्य जिले द्वारा हासिल कर लिया गया है। प्रदेश में उज्जैन जिला सातवे नम्बर पर है, जहां बड़ी संख्या में पंजीयन करवाया गया है। मुख्यमंत्री कौशल संवर्द्धन एवं कौशल्या योजना के अन्तर्गत औपचारिक शिक्षा प्रणाली को छोड़ चुके युवक एवं युवतियां जो अपने अनौपचारिक कौशल का प्रमाणीकरण करवाना चाहते हैं और अपने कौशल को बढ़ाकर स्व-रोजगार करना चाहते हैं, को प्राथमिकता दी जायेगी। युवक-युवतियों को परिधान एवं गृह सज्जा, आटोमोबाइल्स, केपिटल गुड्स, वुडवर्क, टेक्नीशियन, निर्माण, घरेलू काम-काज, इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर, कृषि, ग्रीन जॉब, प्लंबर, फूड प्रोसेसिंग, रिटेल, आई.टी. सुरक्षा, टेलीकॉम, टूरिज्म एण्ड हा?स्पिटेलिटी एवं वित्त सेवा से संबंधित प्रशिक्षण दिलवाया जायेगा।

संभागीय सतर्कता समिति ने पूर्व सरपंच एवं पटवारी को दोषी पाया

उज्जैन। अध्यक्ष संभागीय सतर्कता समिति लोकायुक्त संगठन एवं लोकपाल मनरेगा श्री शशिमोहन श्रीवास्तव (पूर्व जिला न्यायाधीश) द्वारा मनरेगा अन्तर्गत ग्राम झीतरखेड़ी तहसील घट्टिया में कपिल धारा कूप की जांच की गई तथा जांच में पूर्व सरपंच दिनेश पाटीदार तथा पूर्व पटवारी बाबूलाल कुमावत को दोषी पाते हुए उनके विरूद्ध कार्यवाही करने की अनुशंसा की गई है। उल्लेखनीय है कि संभागीय सतर्कता समिति लोकायुक्त संगठन को शिकायत प्राप्त हुई कि ग्राम पंचायत झीतरखेड़ी तहसील घट्टिया के पूर्व सरपंच दिनेश पाटीदार व पूर्व पटवारी बाबूलाल कुमावत द्वारा षड़यंत्र कर स्वयं के नाम की जमीन सर्वे क्रमांक 750 रकबा 0.910 हेक्टेयर को राजस्व प्रपत्रों पर सजनबाई बेवा मांगीलाल निवासी झीतरखेड़ी के नाम नामान्तरित होना बताकर कपिल धारा कूप योजना अन्तर्गत दो लाख 53 हजार रूपये की स्वीकृति प्राप्त कर ली गई और कूप का निर्माण कर लिया गया। कूप का निर्माण कराने के बाद उक्त दोनों व्यक्तियों ने पुनः राजस्व प्रपत्रों में जमीन दिनेश पाटीदार के नाम नामान्तरित होना बता दी। इस तरह षड़यंत्र करके दो लाख 53 हजार 300 रूपये का लाभ लिया गया। इस सम्बन्ध में तत्कालीन तहसीलदार जितेन्द्र वर्मा एवं राजेश सोनी द्वारा भी ध्यान नहीं दिया गया। शिकायत को जांच उपरान्त सही पाया गया एवं संभागीय सतर्कता समिति द्वारा दिनेश पाटीदार एवं बाबूलाल कुमावत द्वारा साजिश रचकर कपिल धारा योजना अन्तर्गत कूप निर्माण हेतु स्वीकृति अनुदान प्राप्ति में दस्तावेजों में दिनेश पाटीदार की स्वयं की भूमि को सजनबाई के नाम से दर्शाकर कपिल धारा योजना में अनुदान प्राप्त करना प्रमाणित पाया गया।

खबरें

दिल अब दिल्ली में धड़केगा तो लिवर इंदौर में एक निजी अस्पताल में भर्ती मरीज को जिंदगी देगा

जीते जी लोगों का इलाज तो नहीं कर सका, मरने के बाद दे गया 6 को जिंदगी

इंदौर। उसने डॉक्टर बन लोगों की सेवा का सपना संजोया था। इसे पूरा करने के लिए मेडिकल कॉलेज में दाखिला लेकर इस राह पर कदम भी रख दिया था, लेकिन एक सड़क हादसे ने सपना चकनाचूर कर दिया। हालांकि परिजन को इस बात का संतोष जरूर था कि बेटा डॉक्टर तो नहीं बन सका, लेकिन मौत के बाद छह लोगों को जिंदगी जरूर दे गया। उसका दिल अब दिल्ली में धड़केगा तो लिवर इंदौर में एक निजी अस्पताल में भर्ती मरीज को जिंदगी देगा। दोनों किडनी और त्वचा भी मरीजों के काम आएंगी। उसकी आंखें दो लोगों की अंधेरी जिंदगी को रोशन करेंगी। इंडेक्स मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस फर्स्ट ईयर का 21 वर्षीय छात्र प्रियंक गुप्ता 21 जून को सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया था। दोस्त उसे तुरंत इंडेक्स अस्पताल ले गए। हालत बिगड़ने पर उसे सीएचएल अस्पताल शिफ्ट करना पड़ा। तमाम प्रयासों के बावजूद डॉक्टर उसकी जान नहीं बचा पाए। रविवार दोपहर 3.45 बजे उसे पहली बार और रात 10.55 बजे दूसरी बार ब्रेन डेड घोषित किया गया। अंगदान समिति और मुस्कान ग्रुप के सदस्यों की समझाइश के बाद दमोह से आए परिजन अपने बेटे के अंगदान के लिए तैयार हो गए। प्रियंक का ब्लड ग्रुप ओ पॉजीटिव था। इंदौर में इस ब्लड ग्रुप के दिल की मांग नहीं होने से इसे दिल्ली रवाना करने का फैसला लिया गया। एयर एम्बुलेंस के माध्यम से सोमवार रात इसे दिल्ली के मैक्स अस्पताल भेजा गया। लिवर इंदौर के सीएचएल अस्पताल में भर्ती एक मरीज को प्रत्यारोपित किया गया, जबकि एक किडनी बॉम्बे अस्पताल और दूसरी चोइथराम अस्पताल में भर्ती मरीजों को लगाई जाएगी। प्रियंक की त्वचा और आंखें भी दान की गईं। चला गया दो बहनों का भाई : प्रियंक के पिता की दमोह में किराने की दुकान है। उसकी दो अविवाहित बहनें प्रियांशी और दिपांशी हैं। पिता के मुताबिक प्रियंक को निजी मेडिकल कॉलेज में एडमिशन दिलाने के लिए उन्होंने बमुश्किल फीस का इंतजाम किया था। उन्हें नहीं पता था कि वे जिस बेटे के डॉक्टर बनने का सपना देख रहे हैं, वह यूं अचानक उन्हें छोड़कर चला जाएगा।

यूं बनें तीन ग्रीन कॉरिडोर

दिल के लिए: सीएचएल अस्पताल से एयरपोर्ट
किडनी के लिए: सीएचएल से बॉम्बे अस्पताल
और सीएचएल से चोइथराम अस्पताल

चलते स्कूटर की हेड लाइट से निकल आया सांप

इंदौर। एक निजी कंपनी में काम करने वाले युवक की सोमवार को जान पर बन आई। काम से जा रहे युवक की चलती स्कूटर में से हेड लाइट से सांप निकल कर हेंडल पर आ गया। घबराए युवक ने जैसे तैसे गाड़ी रोकी। यहां पर चार घंटे की मश्क्कत के बाद सांप को निकाला जा सका। इस दौरान यहां पर लोगों की भीड़ लग गई। वाक्या दापेहर साढ़े 12 बजे भमोरी के यहां फिनिक्स टाउनशिप में रहने वाले सिद्वार्थ द्विवेदी के साथ हुआ। सिद्वार्थ ने बताया कि अचानक लेफ्ट हेंड के यहां मुझे लगा कि किसी जानवर से मेरा हाथ टकराया है। मैंने हाथ हटाया। कुछ देर बार वापस हाथ रखा तो अचानक गाड़ी के मॉस्क में से एक सांप निकल कर आया । यह देख मैं घबरा गया और गाड़ी रोक दी। इसके बाद वहां पर लोगों की भीड़ लग गई। नगर निगम में फोन लगाया तो वहां के कर्मचारियों ने आने में असमर्थता जाहिर की। इसी बीच लोगों ने मेरी गाड़ी में सांप की तलाश करते हुए उसके पार्टस ही अलग कर दिए। वहीं कुछ महिलाएं वहां पर आ गई और अगरबत्ती लगा कर पूजा करने लगी। करीब साढ़े तीन बजे नगर निगम कर्मचारी आए और सांप को बाहर निकाला।

शादी चल रही थी, पहुंच गई दूसरी पत्नी फिर मचा ऐसा हंगामा

इंदौर। महिला एएसआई की बेटी ने कनाड़िया थाना क्षेत्र स्थित शुभम मैरिज गार्डन में जमकर हंगामा किया। वह पुलिस लेकर पहुंची और पति को पकड़ कर थाने ले आई। युवती का आरोप है कि पति धोखे से दूसरी शादी कर रहा था। उसके खिलाफ कोर्ट में केस चल रहा है। तीन घंटे गार्डन और थाने में हंगामा चला। ग्वालियर निवासी कंचन त्रिपाठी, पिता महेश रिछारिया व अन्य के साथ थाने पहुंची और पति निकुंज त्रिपाठी (महू) पर दूसरी शादी का आरोप लगाया।

कौशल विकास केन्द्र आदर्श बनाये जायेंगे- मुख्यमंत्री श्री चौहान

प्रदेश के कौशल विकास केन्द्रों के उन्नयन और प्रशिक्षण पर हुई चर्चा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की आज केन्द्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री श्री राजीव प्रताप रूडी के साथ बैठक हुई। इस दौरान प्रदेश में संचालित कौशल विकास केन्द्रों के उन्नयन और प्रशिक्षण पर चर्चा हुई। श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को हुनरमंद बनाने के लिये औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान और कौशल विकास केन्द्रों को आदर्श बनाया जायेगा। श्री रूडी ने बताया कि हर जिले में प्रधानमंत्री कौशल केन्द्र स्थापित किया जायेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि युवाओं को हुनरमंद बनाकर स्व-रोजगार और रोजगार हासिल करने के काबिल बनाने के लिये प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रदेश में 133 कौशल विकास केन्द्र खोले गये हैं। हर जिले में आदर्श कौशल विकास केन्द्र स्थापित करने की योजना है। इनमें रोजगारोन्मुखी लघु अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किये जायेंगे। उन्होंने दिव्यांगों के प्रशिक्षण संबंधी योजना के प्रस्ताव और व्यावहारिक बनाने के लिये अधिकारियों को निर्देशित किया। इसमें केन्द्र से सहयोग की अपेक्षा है। प्रदेश में संचालित एस.सी.वी.टी. ट्रेड को एन.सी.वी.टी. में शामिल करने के लिये ऑफ लाइन आवेदन की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया। केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री रूडी ने बताया कि प्रत्येक जिले में प्रधानमंत्री कौशल केन्द्र खोले जायेंगे। मध्यप्रदेश में 17 केन्द्र स्थापित किये जा चुके हैं। इनमें मानक स्तर का प्रशिक्षण दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र से प्रदाय की गई राशि का प्रशिक्षण में उपयोग किया जाये। प्रशिक्षण गुणवत्तापूर्ण होना चाहिये। प्रशिक्षण के लिये धनराशि की कमी नहीं होगी। उन्होंने छोटी-छोटी संस्थाओं की प्रभावी मॉनीटरिंग व्यवस्था करने की अपेक्षा व्यक्त की। बैठक में प्रदेश के तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री श्री दीपक जोशी, मुख्य सचिव श्री बी.पी. सिंह, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री श्री अशोक वर्णवाल, प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव, संचालक कौशल विकास श्री संजीव सिंह आदि।

कैलारस सहकारी शक्कर कारखाने को पुनः शुरू करने के लिये किसानों से चर्चा कर निर्णय लिया जायेगा - मुख्यमंत्री श्री चौहान

भेपाल। भोपाल मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मुरैना जिले के कैलारस सहकारी शक्कर कारखाने के संबंध में क्षेत्रीय विधायक और संभागायुक्त किसानों से चर्चा कर सहमति बनायें। इसके बाद इस सहकारी शक्कर कारखाने को पुन- शुरू करने के लिये कार्रवाई की जाये। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने यह निर्देश आज यहाँ इस संबंध आयोजित बैठक में दिये। बैठक में वित्त मंत्री श्री जयंत मलैया भी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि यह सहकारी शक्कर कारखाना वर्ष 2011-12 से बंद है। क्षेत्रीय किसानों ने इसे फिर शुरू कराने की माँग की है। सहकारिता विभाग द्वारा बताया गया कि इसे फिर शुरू करने के लिये खाद्य प्रसंस्करण विभाग को देकर निजी क्षेत्र में देना होगा।

शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिये ठोस रणनीति बनायें - मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिये ठोस रणनीति बनायें। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज यहाँ सर्व शिक्षा अभियान मिशन की साधारण सभा की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री विजय शाह, सामान्य प्रशासन राज्यमंत्री श्री लालसिंह आर्य सहित साधारण सभा के अशासकीय सदस्यगण तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बैठक में कहा कि पिछले दस वर्षों में अधिक से अधिक प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूल खोले गये हैं। स्कूल चलें हम अभियान में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करें। अनाथ बच्चों को स्कूलों में प्रवेश के लिये उनसे जन्म प्रमाण पत्र, मूल निवासी आदि प्रमाण पत्र नहीं लिये जायें। स्कूलों में बालसभाओं का आयोजन नियमित रूप से किया जाये। स्कूलों के अधूरे भवनों का निर्माण प्राथमिकता से कराये जायें। सभी स्कूलों को अतिक्रमण से मुक्त किया जाये तथा नये बनने वाले स्कूल भवनों में बाउंड्रीवाल बनायी जाये या तार फेंसिंग की जाये। बैठक में बताया गया कि सर्व शिक्षा अभियान मिशन की जारी वित्तीय वर्ष की 5 हजार 632 करोड़ रूपये की वार्षिक कार्ययोजना स्वीकृत की गई है। शिक्षा के अधिकार के तहत जारी वर्ष में निजी विद्यालयों में 2 लाख 11 हजार बच्चों का प्रवेश कराया गया है।

जीएसटी लागू होने से विभिन्न करों में छूट के प्रावधान जुलाई से समाप्त

भोपाल। मध्यप्रदेश में माल और सेवा कर अधिनियम (जीएसटी एक्ट) 2017 प्रभावशील हो गया है। अधिनियम के प्रभावशील होने से मध्यप्रदेश शासन के वाणिज्य, उद्योग एवं रोजगार विभाग द्वारा उद्योग संवर्धन नीति के अंतर्गत जिन निर्माता व्यवसायियों को निवेश संवर्धन सहायता योजना के अंतर्गत वेट और केन्द्रीय विक्रय कर की जमा की गयी राशि पर प्रतिपूर्ति के लिये पात्र घोषित किया गया है, उन्हें एक जुलाई, 2017 के बाद की अवधि के लिये देय जीएसटी पर प्रतिपूर्ति की पात्रता नहीं होगी। प्रतिपूर्ति अथवा रियायतों के संबंध में वाणिज्य, उद्योग एवं रोजगार विभाग द्वारा जब तक कोई नई नीति जारी नहीं की जाती है, तब तक उन्हें वेट एवं केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम के अंतर्गत चुकाये गये कर की प्रतिपूर्ति की पात्रता एक जुलाई, 2017 के बाद देय जीएसटी के संबंध में नहीं होगी। प्रदेश में प्रवेश कर अधिनियम के समाप्त होने एवं जीएसटी में समाहित हो जाने से प्रवेश कर अधिनियम के अंतर्गत उद्योगों को दी जाने वाली कर मुक्ति के प्रावधान भी एक जुलाई, 2017 से समाप्त हो गये हैं। इसी प्रकार विलासिता कर अधिनियम के अंतर्गत विभिन्न होटलों को प्राप्त छूट भी जीएसटी में समाहित हो जाने से एक जुलाई से समाप्त हो गयी है। मनोरंजन कर अधिनियम के जीएसटी में समाहित हो जाने से सिनेमा-घरों और मनोरंजन पार्क आदि को प्राप्त छूट के प्रावधान भी जुलाई से समाप्त हो गये हैं।

योजना

परिलब्धियों में 14 प्रतिशत वृद्धि मंत्रि-परिषद के निर्णय

शासकीय सेवकों को एक जनवरी, 2016 से पुनरीक्षित वेतनमान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में राज्य शासन के शासकीय सेवकों को एक जनवरी, 2016 से पुनरीक्षित वेतनमान स्वीकृत करने का निर्णय लिया गया। पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन निर्धारण करने पर शासकीय सेवक की परिलब्धियों में लगभग 14 प्रतिशत की वृद्धि होगी।

दिनांक एक जनवरी, 2016 से वेतन पुनरीक्षण के परिणामस्वरूप 30 जून 2017 तक की अवधि के बकाया स्वत्वों का समान तीन वार्षिक किश्तों में (प्रतिवर्ष मई माह में) वर्ष 2018-19 से भुगतान किया जायेगा। एक जनवरी 2016 से 30 जून 2017 के मध्य सेवानिवृत्त/मृत शासकीय सेवकों को एरियर्स की राशि का एकमुश्त भुगतान किया जायेगा। ऐसे शासकीय सेवक जिनकी सेवानिवृत्ति/मृत्यु 30 जून, 2017 के बाद होती है, तो शेष एरियर्स की किश्तों का एकमुश्त भुगतान किया जायेगा। एक जनवरी, 2016 के बाद सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को पुनरीक्षित वेतनमान में प्राप्त अंतिम वेतन के आधार पर मध्यप्रदेश सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1976 में वर्णित प्रावधानों के अनुसार पेंशन निर्धारण किया जायेगा। उक्त दिनांक एवं इसके बाद सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों को इस नियम के तहत देय मृत्यु-सह-सेवानिवृत्ति उपादान की अधिकतम सीमा 20 लाख रूपये रखी जायेगी। पेंशन सरांशिकरण, अवकाश नगदीकरण, परिवार पेंशन के वर्तमान प्रावधानों को यथावत रखा जायेगा। वृद्धों को प्राप्त अतिरिक्त पेंशन को छोड़कर न्यूनतम पेंशन एवं परिवार पेंशन की मासिक राशि 7750 रूपये रखी गयी है। पेंशन/परिवार पेंशन की अधिकतम सीमा पुनरीक्षित वेतनमान में प्राप्त अधिकतम वेतन का क्रमशः 50 एवं 30 प्रतिशत रखा जायेगा। सातवें वेतनमान में वेतन निर्धारण के परिणामस्वरूप एक जुलाई 2016 से 2 प्रतिशत एवं दिनांक एक जनवरी, 2017 से 2 प्रतिशत इस तरह कुल 4 प्रतिशत की दर से महँगाई भत्ता देय होगा। यात्रा भत्ता, गृह भाड़ा भत्ता, परियोजना भत्ता, अनुसूचित क्षेत्र, प्रतिनियुक्ति वेतन आदि भत्ते एवं सुविधाएँ जो मूल वेतन से जुड़ी हैं, पूर्व वेतनमानों में देय वेतन के आधार पर ही देय होगी। इनके पुनरीक्षण के लिये पृथक से निर्णय लिया जायेगा। वेतन निर्धारण करने पर लगभग 3828 करोड़ का वार्षिक व्यय भार संभावित है। वर्ष 2017-18 में सातवें वेतनमान से 2552 करोड़ का अतिरिक्त व्यय भार आयेगा। वेतन पुनरीक्षण के एरियर्स के भुगतान पर 5742 करोड़ का व्यय भार संभावित है।

पीडब्ल्यूडी में नये मापदण्डों का अनुमोदन : मंत्रि-परिषद ने वित्त विभाग द्वारा जारी पत्र 31 मार्च, 2017 की कंडिका 4(अ) अनुसार लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत कार्यालय भवन, रेस्ट हाऊस, सर्किट हाऊस एवं कर्मचारियों के लिये आवास गृहों के निर्माण के लिए मापदण्डों का अनुमोदन किया। इसी प्रकार वृहद पुलों के निर्माण की योजना, मुख्य जिला मार्गों के उन्नयन, केन्द्रीय सड़क निधि एवं अंतर्राज्यीय/आर्थिक महत्व की सड़कों के निर्माण, सड़क विकास निगम के माध्यम से नगद अनुबंध पद्धति पर आधारित नगद अनुबंध के आधार पर राज्य राजमार्गों, महत्वपूर्ण मुख्य जिला मार्गों का निर्माण और ग्रामीण सड़कों सहित न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम योजना के अंतर्गत राज्य की महत्वपूर्ण ग्रामीण सड़कों के नव-निर्माण के लिये मापदण्डों का अनुमोदन किया गया।

शिक्षा के विभिन्न निर्णय: मंत्रि-परिषद ने निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत गैर अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों की प्रथम प्रवेशित कक्षा में निःशुल्क प्रवेश की प्रक्रिया में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में वंचित समूह और कमजोर वर्ग के बच्चों के लिये वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 के लिये फीस प्रतिपूर्ति की राशि के वर्षवार प्रस्तावित व्यय रूपये 1706.91 करोड़ की सैद्धांतिक सहमति दी।

मंत्रि-परिषद ने कक्षा 12वीं में अध्ययनरत ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने माध्यमिक शिक्षा मण्डल की 12वीं की परीक्षा 85 प्रतिशत तथा अजा, अजजा, विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्द्ध घुमक्कड़ जनजाति के ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने 75 प्रतिशत या इससे अधिक अंकों से उत्तीर्ण की हो, उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप लेपटॉप प्रदान किये जाने के संबंध में प्रचलित योजना को वर्ष 2017-18 से शुरू कर आगामी 3 वर्षों तक संचालित करने की सहमति दी। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को लेपटॉप प्रदाय योजना के 3 वर्षों के संचालन एवं अनुमानित व्यय राशि 177 करोड़ रूपये की सैद्धांतिक सहमति दी गयी।

मंत्रि-परिषद ने सर्वशिक्षा अभियान योजना का उसकी उपलब्धि के चलते वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 में संचालन तथा निरंतरता की सैद्धांतिक सहमति दी। मंत्रि-परिषद ने केन्द्र प्रवर्तित राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के क्रियान्वयन के लिये आगामी तीन वर्षों में 2047 करोड़ 47 लाख रूपये की अनुमति दी।

लालबर्रा समूह जल प्रदाय योजना : मंत्रि-परिषद ने बालाघाट जिले की लालबर्रा समूह जल प्रदाय योजना की 157 करोड़ 63 लाख की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी।

सम्पादकीय

अजजा को संवैधानिक संरक्षण के साथ शैक्षणिक उत्थान के प्रयास जारी

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित-जाति के लोगों को संवैधानिक संरक्षण देने के लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। उन्हें सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्तर पर सशक्त बनाने की कोशिशें जारी है। सरकार द्वारा अधोसंरचना विकास के काम को गति देने, सर्वांगीण विकास की योजनाओं के क्रियान्वयन और मॉनीटरिग का काम भी किया जा रहा हैं। अनुसूचित-जाति वर्ग के युवाओं को रोजगार देने के अवसर उपलब्ध करवाये जा रहे हैं।

आदिवासी विकास विभाग प्रदेश के 89 आदिवासी विकासखंड में प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय-स्तर तक की शिक्षा का संचालन कर रहा हैं। इन संस्थाओं में कन्या शिक्षा परिसर,क्रीड़ा परिसर, आवासीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, उत्कृष्ट विद्यालय, आश्रम शालाएँ, प्री-मेट्रिक एवं पोस्ट-मेट्रिक छात्रावास तथा अंग्रेजी माध्यम की नई आश्रम शालाओं आदि का संचालन कर शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने का प्रयास निरन्तर जारी है।

विशेष पिछड़ी जन-जातियों के लिये संरक्षण-सह-विकास योजना संचालित हैं। इसमें उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, आवास, कृषि विकास तथा प्रशिक्षण एवं रोजगार की योजनाओं को प्राथमिकता से लिया गया हैं। बारहवीं पंचवर्षीय योजना वर्ष 2012-17 में विशेष रूप से राच्य शासन की नीति है कि आदिवासी वर्ग के विद्यार्थियों की शिक्षा में गुणात्मक सुधार किया जाये, ताकि वे अन्य वर्ग के विद्यार्थियों के साथ प्रतिस्पर्धा में बराबरी कर सकें।

बीते वर्ष की उपलब्धियाँ: अनुसूचित जनजाति वर्ग के शैक्षणिक, आर्थिक, सामाजिक उत्थान के लिए विभाग द्वारा आदिवासी बहुल जिलों के आदिवासी विकासखण्डों में गुणवत्तायुक्त शिक्षा, कल्याण कार्यक्रम, सामुदायिक विकास, प्रशिक्षण एवं रोजगार की योजनाएँ शुरू की गयी हैं। इस वर्ग के बेरोजगार युवाओं को रोजगार/स्व-रोजगार के लिए योग्य बनाने के लिये विभिन्न ट्रेड में प्रशिक्षण देकर स्वावलम्बी बनाया जा रहा है। पिछले वित्त में 5,567 युवाओं को कौशल विकास योजना में लाभान्वित किया गया हैं। अनुसूचित-जनजाति एवं अनुसूचित-जाति के विकास के लिये उनकी आबादी के मान से अधिक राशि राच्य आयोजना में प्रावधानित की जा रही हैं। वर्ष 2002-03 में 818 करोड़ 83 लाख की राशि आदिवासी उपयोजना में प्रावधानित की गई थी। वर्ष 2015-16 में यह राशि बढ़कर 8416 करोड़ 78 लाख हो गई हैं। इस प्रकार दस गुना से अधिक वृद्धि आदिवासी उपयोजना मद में की गई हैं।

पिछले वित्त वर्ष में 20 नये प्री-मेट्रिक छात्रावासों को स्वीकृति दी गई हैं। विभागीय छात्रावासों एवं आश्रमों में निवासरत विद्यार्थियों की शिष्यवृत्ति की दरों को मूल्य सूचकांक से जोड़कर एक जुलाई 2015 से शिष्यवृत्ति की दरों में वृद्वि की गई है। बालकों के लिये 1000 एवं बालिकाओं के लिए 1040 रूपये शिष्यवृत्ति दी जा रही है। विभागीय 23 क्रीड़ा परिसरों में खिलाड़ी विद्यार्थियों के लिए शिष्यवृत्ति 100 रूपये प्रति दिवस प्रति खिलाड़ी निर्धारित की गई हैं। पिछले एक वर्ष में विभाग द्वारा 26 माध्यमिक शालाओं का हाई स्कूल में उन्नयन किया गया। महिला न्यून साक्षरता प्रतिशत वाले जिलों में विभाग द्वारा 20 नये कन्या शिक्षा परिसर स्वीकृत किए गए हैं। इन परिसर में 245 बालिकाएँ कक्षा 6 से 12वीं तक शिक्षा और आवासीय सुविधा पूरी तरह से शासकीय व्यय पर प्राप्त करेंगी। विभाग द्वारा शिक्षा विभाग के माध्यम से कक्षा 1 से 12वीं तक के 28 लाख 35 हजार से च्यादा विद्यार्थियों को विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ दिया गया है। विभाग द्वारा बालिकाओं को शिक्षा निरंतर रखने के लिए 10वीं उत्तीर्ण कर 11वीं में प्रवेश लेने पर प्रोत्साहन राशि एक किश्त में 15 अगस्त तक दी जा रही है। कक्षा 11वीं में 33 हजार बालिका को प्रोत्साहन राशि दी गई।

विशेष पिछड़ी जन-जाति के सभी आवासहीन परिवार को आवास उपलब्ध करवाए जाने की योजना क्रियान्वित की जा रही है। अनुसूचित-जनजाति की बस्तियों के विकास के लिए सड़क निर्माण, नाली निर्माण, पेयजल सुविधा, विद्युतीकरण तथा सामुदायिक भवनों के निर्माण किये गये हैं। विभाग द्वारा 30 छात्रावास भवन प्रति छात्रावास 127 लाख कुल राशि रूपये 4064 लाख, 20 आश्रम शाला भवन इकाई लागत रूपये 135 लाख कुल 2700 लाख, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन इकाई लागत 143 लाख कुल 5720 लाख और 6 क्रीड़ा परिसर के लिये कुल लागत राशि रूपये 6996 लाख की स्वीकृति दी गई। विविध जन-जातीय सम्मान श्रंखला में जन-जातियों के सामाजिक उत्थान में विशिष्ट काम करने वाले नागरिकों को विष्णु कुमार जन-जातीय समाज-सेवा सम्मान वर्ष 2011 में सर्वप्रथम दिया गया। इसके अतिरिक्त रानी दुर्गावती, वीर शाह-रघुनाथ शाह, ठक्कर बापा राष्ट्रीय सम्मान एवं जन-नायक टंट्या भील राष्ट्र-स्तरीय सम्मान स्थापित किये गये हैं।

चीफ मिनिस्टर कम्यूनिटी लीडरशीप डेवलमेंट कार्यक्रम: भारत सरकार, जन-जातीय कार्य मंत्रालय द्वारा विशेष केन्द्रीय सहायता में चीफ मिनिस्टर कम्युनिटी लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम की स्वीकृति दी गई है। योजनाओं में प्रदेश के सभी आदिवासी विकासखंड में निवासरत 18 से 45 वर्ष के 12वीं उत्तीर्ण व्यक्तियों, जिनमें 50 प्रतिशत महिलाएँ होंगी, को समाज में सक्रिय भागीदारी का प्रशिक्षण दिया जाना है।

- पराग वराडपांडे

जलवायु परिवर्तन को समझाने मध्यप्रदेश ने चलाया चेतना कार्यक्रम

जलवायु परिवर्तन किसी देश विशेष नहीं, पूरे विश्व की चिंता का विषय बन गया है। जन-सामान्य मुख्यत: बच्चों को जलवायु परिवर्तन, दुष्परिणाम, बचाव के उपाय आदि से अवगत करवाने के लिये मध्यप्रदेश के एप्को ने जलवायु परिवर्तन चेतना कार्यक्रम के माध्यम से एक सार्थक पहल की है। इस पहल के जरिये राच्य के 500 विद्यालय के शिक्षकों को जलवायु परिवर्तन लीडर के तौर पर प्रशिक्षित कर बच्चों के लिये सामग्री और कार्यक्रम दिया जा रहा है। आइये हम भी जानें यह जलवायु परिवर्तन है क्या?

जलवायु परिवर्तन: वैश्विक स्तर पर जलवायु में होने वाले परिवर्तन को जलवायु परिवर्तन के रूप में जाना जाता है। इसका मुख्य कारण सामान्यत: ग्लोबल वार्मिंग को माना जाता है। बड़ी और भीषण मौसम की घटनाएँ- बढ़ता तापमान, च्यादा तूफान, कम समय अंतराल के लिये भारी वर्षा, च्यादा सूखा, वर्षा गतु का घटना, लम्बा शुष्क मौसम आदि परिवर्तन देखे जा रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग ग्रीन हाउस गैसों से जुड़ा हुआ है।

ग्रीन हाउस गैसें: वायु मण्डल में ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा एक प्रतिशत होती है, जो बेहद अनुकूल है। इसमें उपयोगी जल वाष्प, कार्बन डाईऑक्साइड, नाइट्रस आक्साइड, मीथेन तथा ओजोन प्राकृतिक ग्रीन हाउस प्रभाव बनाते हैं। अन्य मुख्य गैसें हैं- क्लोरो फ्लोरोकार्बन (CFC), हाइड्रो फ्लोरोकॉर्बन (HFCz) गैसें, परफ्लोरोकॉर्बन (PFCz) और सल्फर हेक्साफ्लुओराइड (SF)। मानवीय गतिविधियों ने ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को काफी बड़ा दिया है, जिससे ग्रीन हाउस प्रभाव में वृद्धि हो रही है।

ग्रीन हाउस प्रभाव: ट्रोपोस्फीयर से ग्रीन हाउस गैसें सूर्य की किरणों को पार तो जाने देती हैं पर उसकी ऊष्मा को ग्रीन हाउस के पैन के समान रोक लेती हैं। यह अवशोषित ऊष्मा विकिरण द्वारा वापस पृथ्वी की सतह पर चली जाती है और ट्रोपोस्फीयर को और गरम बनाती है। एक ग्रीन हाउस शीशे या प्लास्टिक का बना होता है। इनसे होकर गुजरने वाली सूर्य की किरणें ग्रीन हाउस से निकल नहीं पाती हैं, जिससे ग्रीन हाउस के अंदर का तापमान बड़ जाता है।

ग्लोबल वार्मिंग: वैश्विक स्तर पर ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा के बढ़ने के कारण पृथ्वी के तापमान में होने वाली वृद्धि को ग्लोबल वार्मिंग के नाम से जाना जाता है। ग्लोबल वार्मिंग या वैश्विक तापमान के बढ़ने के कारण मौसम और जलवायु में भी परिवर्तन यह दर्शाता है कि तापमान बढ़ने के अलावा भी कई अन्य परिवर्तन हो रहे हैं।

ग्रीन हाउस गैसों का स्त्रोत: कार्बन डाईऑक्साइड (Cow) कोयले, तेल तथा प्राकृतिक गैस, जैव पदार्थ को जलाने तथा निर्वनीकरण के कारण उत्सर्जित होती है। मीथेन (CHy), प्राकृतिक गैस के रिसाव तथा धान के खेतों, प्राकृतिक जल-भूमि क्षेत्रों, भू-भराव क्षेत्रों, दीमक, मवेशियों, भेड़ तथा की आँतों से और कार्बनिक तत्वों के सड़ने से निकलती है। नायलॉन उत्पादन के दौरान जैव-पदार्थ और जीवाश्म ईंधन जैसे कोयला को जलाने पर नाइट्रस ऑक्साइड (NwO) निकलती है।

ग्रीन हाउस गैसों में वृद्धि: औद्योगीकरण से पहले के समय की तुलना में वायु मण्डल में COw, CHy तथा NwO की मात्रा 142 प्रतिशत, 253 प्रतिशत तथा 121 प्रतिशत तक बढ़ गयी है। वर्ष 1750 की तुलना में COw की मात्रा 280 पार्ट्स पर मिलियन की मात्रा से बढ़कर वर्ष 2010 में 300 पी.पी.एम. हो गयी। इसी दौरान मीथेन की मात्रा 700 पी.पी.बी. से बढ़कर 1106 पी.पी.बी. हो गयी है। इसी समय में NwO की मात्रा 269 पी.पी.बी. से बढ़कर 223.2 पी.पी.बी. हो गयी।

बढ़ती गर्मी: वर्ष 1880 से 2012 के बीच औसतन वैश्विक तापमान 0.85 डिग्री सेल्सियस तक बड़ा है। इसे इस प्रकार समझा जा सकता है कि प्रत्येक 1 डिग्री तापमान के बढ़ने से अनाज के उत्पादन में 5 प्रतिशत की कमी आ सकती है।

SAAP SOLUTION
Explore New Digital World
- All Types of Website Designing
  - Business Promotion, Lease Website
  - Industrial Product Promotion through industrialproduct.in
  - Get 2GB corporate mail account @ Rs 1500/- Per Annum per mail account with advance sharing feature
- Logo Designing by Experts
- Bulk SMS Services

For more details visit our website saapsolution.com
For enquires contact on 9425313619,
Email: info@saapsolution.com

चेहरे की रंगत वापस पाने के लिए लगाएं रेड वाइन का फेस पैक

क्या आपके चेहरे का निखार कहीं खो गया है? क्या बढ़ती उम्र के लक्षण आपके चेहरे पर साफ नजर आने लगे हैं? सही देखरेख के अभाव में बढ़ती उम्र के लक्षण 25 साल की उम्र से ही दिखने लग जाते हैं. बारीक रेखाएं, झांइयां, दाग-धब्बे चेहरे की रंगत फीकी कर देते हैं. इसके अलावा आंखों के नीचे के काले घेरे भी आपकी परेशानी बढ़ाने का काम करते हैं.

इन लक्षणों को छिपाने की आप लाख कोशिश कर लें लेकिन ये किसी भी मेकअप से छिपते नहीं हैं. ऐसे में बेहतर यही होगा कि आप इस बदलाव को जितना जल्दी हो सके स्वीकार कर लें और कोशिश करें कि ये परेशानी और न बढ़े.

बाजार में बहुत से ब्यूटी प्रोडक्ट ऐसे हैं जो ये दावा करते हैं कि उनके इस्तेमाल से एजिंग की प्रोसेज रुक जाती है या फिर धीमी हो जाती है. अब इन दावों में कितनी सच्चाई होती है ये तो हम नहीं कह सकते लेकिन इस देसी उपाय से आप एजिंग की प्रॉब्लम को जरूर कम कर सकते हैं.

रेड वाइन का फेसपैक एक कंप्लीट ब्यूटी प्रोडक्ट है जो एजिंग की प्रॉब्लम को तो कम करता है ही साथ ही स्किन से जुड़ी दूसरी प्रॉब्लम्स को भी दूर करने का करता है.

कैसे बनाएं रेड वाइन का फेसपैक:

1. आधा कप रेड वाइन ले लें.

2. दो या तीन चम्मच शहद ले लें.

कैसे लगाएं ये फेस पैक?

एक छोटी कटोरी में इन दोनों चीजों को अच्छी तरह मिला लें. इसके बाद इस पेस्ट को पूरे चेहरे पर एक समान तरीके से लगाएं. इसे आधे घंटे तक लगाकर यूं ही छोड़ दें. धोने के बाद आपको खुद ही महसूस होगा कि आपकी स्किन पहले से ज्यादा सॉफ्ट हो गई है. सप्ताह में एक बार ये उपाय जरूर करें.

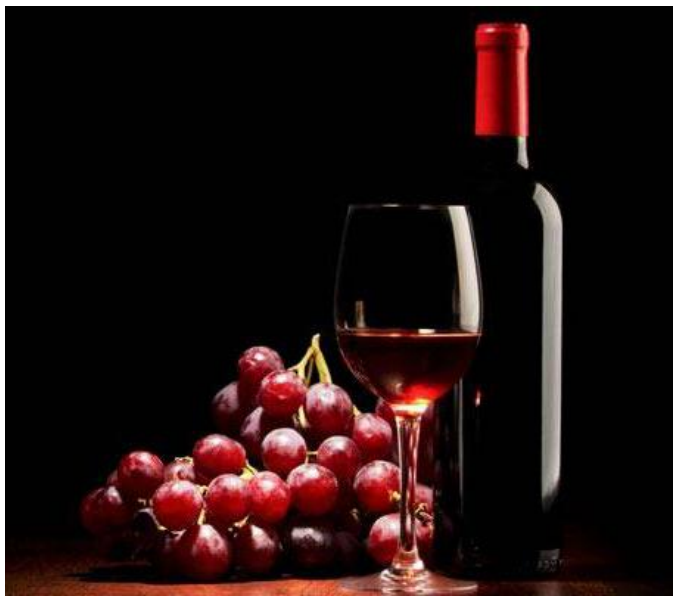

ऑयली स्किन के लिए ब्यूटी टिप्स

ग्लोइंग स्किन पाना किसकी ख्वाहिश नहीं होती, लेकिन हममें से ज्यादातर लोग अपनी स्किन का ठीक से ध्यान नहीं रखते हैं. और कुछ लोग तो तब तक इंतजार करते है जब तक स्किन पूरी तरह से खराब नहीं हो जाती. धूल, धुएं और प्रदूषण से हमारी स्किन को नुकसान पहुंचता है. स्किन की देखभाल के लिए और पिंगमेंटेशन, सेंसिटिविटी और एंटी एजिंग जैसी समस्याओं से बचने के लिए आप थोड़ा सा समय निकाल कर रेग्युलर स्किन केयर रूटीन को अपना सकते हैं. क्लींजिंग : अपना चेहरा साफ करने के लिए आप नारियल पानी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं. क्लींजिंग के बाद स्किन के पोर्स बंद करने के लिए अल्कोहल फ्री टोनर का इस्तेमाल करना चाहिए. मॉइश्चराइजर : मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल सर्दियों और गर्मियों दोनों में करना चाहिए. अगर आपकी ऑयली स्किन है तो आपको वॉटर बेस्ड जेल और मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करना चाहिए. चेहरे को ठंडे पानी से धोएं. इससे आपके चेहरे का तापमान सही रहेगा, चेहरे पर ऑयल कम आएगा और मुहांसे भी नहीं होंगे. सनस्क्रीन : सनस्क्रीन लोशन लगाना कभी ना भूलें. भारतीय स्किन के हिसाब से SPF 20 सबसे अच्छा रहता है. UVA प्रोटेक्शन वाला सनस्क्रीन नॉर्मल स्किन के लिए खासा फायदेमंद है।

आपकी खूबसूरती को बर्बाद कर सकता है तकिया...जानते हैं कैसे?

ब्यूटी प्रोडक्ट्स और घरेलू उपायों से जुड़े ढेरों आर्टिकल आपने पढ़े होंगे. जिसमें ये दावा किया जाता होगा कि इस उपाय को करने से आपकी स्किन खूबसूरत और जवां हो जाएगी, बाल काले-घने हो जाएंगे. पर ये बात तो आप भी जानते ही होंगे कि इन ब्यूटी प्रोडक्ट्स में जमकर केमिकल्स का इस्तेमाल किया जाता है. जिससे बालों को काफी नुकसान हो सकता है.

हमारी त्वचा और बालों पर इन केमिकल्स के अलावा सूरज की रोशनी, धूल, प्रदूषण और गंदगी का भी बुरा असर पड़ता है लेकिन शायद ही आपको पता हो कि आपका तकिया भी आपकी खूबसूरती में दाग लगाने का काम करता है.

जानिए कैसे आपकी खूबसूरती छीन रहा है आपका तकिया...

त्वचा के लिए : शायद आप यकीन नहीं कर पाएं लेकिन जिस तकिए पर आप सिर रखकर सोते हैं वो आपकी सोच से कई गुना गंदा होता है. तकिए में हमारे सिर में लगा तेल, धूल, बाल और दूसरे रेशे चिपके होते हैं. ऐसे में जब हमारी स्कि?न तकिए के संपर्क में आती है तो ये कण हमारे पोर्स में चले जाते हैं, जिससे वो बंद हो जाते हैं.

इसके अलावा जब हम रात को सोते हैं तो हमारी त्वचा और तकिए के बीच रगड़ होती है. जिससे झुर्रियां जल्दी पड़ जाती हैं. कई बार ऐसा भी होता है कि पिलो-कवर में डिटर्जेंट के कण रह जाते हैं जो त्वचा के संपर्क में आकर इसे नुकसान पहुंचा सकते हैं. इससे स्किन से जुड़ी कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं.

बालों के लिए : सोने के दौरान हमारे बालों और तकिए के बीच रगड़ होती है. इससे बाल रूखे हो जाते हैं और उनका मॉइश्चर उड़ जाता है. कई बार बालों और तकिए की रगड़ के चलते बाल बीच में से ही टूट जाते हैं. ऐसे में अगर आप अपने झड़ते बालों से परेशान हैं तो हो सकता है कि आपका तकिया इसके लिए जिम्मेदार हो.

आयुर्वेद व होमियोपैथी के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा घर बैठे पायें उचित परामर्श व दवाईयां

आयुष समाधान

- सभी रोगों का अनुभवी डॉक्टरों द्वारा होमियोपैथी व आर्युवेद पद्धति से इलाज किया जाता है।
- रूपये 500/- से अधिक की दवाईयों पर निःशुल्क डिलेवरी
- किसी भी प्रकार की एलर्जी का इलाज किया जाता है।
- यौन रोगियों का सम्पूर्ण इलाज किया जाता है।
- रजिस्टर्ड डायटीशियन से वजन कम करने हेतु व अपने सही डाईट प्लान हेतु सम्पर्क करें

Email: info@ayushsamadhaan.com

www.ayushsamadhaan.com

FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE FOR REGISTRATION

कॉलेज में नहीं पहन सकेंगे अपनी मर्जी के कपड़े, जींस और टी-शर्ट की भी मनाही

दिल्ली यूनिवर्सिटी और पंजाब के कुछ स्कूलों व कॉलेजों में छात्रों के कपड़ों पर रोक-टोक और उन्हें संस्कारी बनाने को लेकर सामने आई घटनाओं के बाद अब उत्तर प्रदेश का मामला सामने आया है, जहां छात्रों को अनुशासित करने के लिए उनके जींस और टी-शर्ट पहनने पर ही रोक लगाया जा सकता है.

जी हां, यह मामला बरेली का है, जहां के हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट्स में कोई भी छात्र अब जींस और टी-शर्ट पहनकर नहीं जा सकेगा. क्योंकि प्रशासन ने कैंपस के लिए ड्रेस कोड जारी कर दिया है, जिसमें जींस और टी-शर्ट कहीं भी नहीं है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार प्रशासन द्वारा यह कदम इंस्टीट्यूट्स के माहौल को अनुशासित करने के लिए उठाया गया है.

हालांकि कॉलेजों को अपने अनुसार ड्रेस कोड रखने की छूट दी गई है पर इसमें टी-शर्ट और जींस नहीं है. हालांकि, गत शैक्षिक सत्र के अंत में प्रशासन ने निर्देश जारी किया था कि शिक्षक या कर्मचारी कैंपस में जींस, टीशर्ट पहनकर नहीं आएंगे. लेकिन बाद में ये आदेश वापस हो गया. बहरहाल, अब तक डिग्री कॉलेजों में ड्रेस कोड लागू नहीं किया गया. अब नया सत्र शुरू हो गया है.

इस कदम के पीछे प्रशासन का मानना है कि छात्रों को साधारण कपड़ों में कॉलेज आना चाहिए. शिक्षा विभाग को निर्देशित किया गया है कि नए सत्र से कॉलेजों में ड्रेस कोड लागू कराया जाए. शासन के निर्देश पर क्षेत्रीय उच्च शिक्षा विभाग से संबद्ध नौ जिलों के सभी 498 डिग्री कॉलेजों को ड्रेस कोड लागू करने का पत्र जारी करेगा. क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. आरपी यादव शासन की मंशा कॉलेज में पठन-पाठन और अनुशासन का माहौल बनाना है।

क्या आप जानते हैं, देश का राष्ट्रीय गीत किसने लिखा था?

देश को राष्ट्रीय गीत देने वाले शख्स का नाम था 'बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय'. उनका जन्म 27 जून सन् 1838 को उत्तरी चौबीस परगना के कन्थलपाड़ा में एक परंपरागत और समृद्ध बंगाली परिवार में हुआ था.

– बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय बंगला के प्रख्यात उपन्यासकार, कवि, गद्यकार और पत्रकार थे. भारत के राष्ट्रीय गीत 'वन्दे मातरम' उनकी ही रचना है, जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के काल में क्रान्तिकारियों का प्रेरणास्रोत बन गया था. रवीन्द्रनाथ ठाकुर के पूर्ववर्ती बांग्ला साहित्यकारों में उनका अन्यतम स्थान है.

– बंकिमचंद्र की शिक्षा हुगली कॉलेज और प्रेसीडेंसी कॉलेज, कोलकाता में हुई. साल 1857 में उन्होंने बीए पास किया और 1869 में कानून की डिग्री हासिल की. प्रेसीडेंसी कॉलेज से बी.ए. की उपाधि लेने वाले ये पहले भारतीय थे. इसके बाद उन्होंने सरकारी नौकरी की और 1891 में सरकारी सेवा से रिटायर हुए. उनका निधन अप्रैल 1894 में हुआ. शिक्षा समाप्ति के तुरंत बाद डिप्टी मजिस्ट्रेट पद पर इनकी नियुक्ति हो गई. कुछ काल तक बंगाल सरकार के सचिव पद पर भी रहे. रायबहादुर और सी. आई. ई. की उपाधियां पाईं.

कैसे की राष्ट्रीय गीत की रचना

बंकिमचंद्र ने जब इस गीत की रचना की तब भारत पर ब्रिटिश शासकों का दबदबा था. ब्रिटेन का एक गीत था 'गॉड! सेव द क्वीन'. भारत के हर समारोह में इस गीत को अनिवार्य कर दिया गया. बंकिमचंद्र तब सरकारी नौकरी में थे. अंग्रेजों के बर्ताव से बंकिम को बहुत बुरा लगा और उन्होंने साल 1876 में एक गीत की रचना की और उसका शीर्षक दिया 'वन्दे मातरम'. शुरुआत में इसके केवल दो ही पद रचे गये थे जो संस्कृत में थे. इन दोनों पदों में केवल मातृभूमि की वन्दना थी. आगे का हिस्सा बांग्ला में लिखा गया, जो मां दुर्गा की स्तुति है.

राष्ट्रीय गीत के रूप में मिली पहचान

स्वाधीनता संग्राम में इस गीत की निर्णायक भागीदारी के बावजूद जब राष्ट्रगान के चयन की बात आई तो वन्दे मातरम् के स्थान पर रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा लिखे व गाये गये गीत जन गण मन को वरीयता दी गई. इसकी वजह यही थी कि कुछ मुसलमानों को 'वन्दे मातरम' गाने पर आपत्ति थी, क्योंकि इस गीत में देवी दुर्गा को राष्ट्र के रूप में देखा गया है. इसके अलावा उनका यह भी मानना था कि यह गीत जिस आनन्द मठ उपन्यास से लिया गया है वह मुसलमानों के खिलाफ लिखा गया है.

इन आपत्तियों के मद्देनजर साल 1937 में कांग्रेस ने इस विवाद पर गहरा चिन्तन किया. जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में गठित समिति, जिसमें मौलाना अब्दुल कलाम आजाद भी शामिल थे, ने पाया कि इस गीत के शुरुआती दो पद तो मातृभूमि की प्रशंसा में कहे गए हैं, लेकिन बाद के पदों में हिन्दू देवी-देवताओं का जिक्र होने लगता है. इसलिये यह निर्णय लिया गया कि इस गीत के शुरुआती दो पदों को ही राष्ट्र-गीत के रूप में प्रयुक्त किया गया. इस तरह गुरुदेव रवीन्द्र नाथ ठाकुर के जन-गण-मन अधिनायक जय हे को यथावत राष्ट्रगान ही रहने दिया गया और मोहम्मद इकबाल के कौमी तराने सारे जहां से अच्छा के साथ बंकिमचन्द्र चटर्जी द्वारा रचित प्रारम्भिक दो पदों का गीत वन्दे मातरम् राष्ट्रगीत स्वीकृत हुआ. स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद डॉ? राजेन्द्र प्रसाद ने संविधान सभा में 24 जनवरी 1950 में 'वन्दे मातरम' को राष्ट्रगीत के रूप में अपनाने सम्बन्धी वक्तव्य पढ़ा, जिसे स्वीकार कर लिया गया.

डॉ? राजेन्द्र प्रसाद का संविधान सभा को दिया गया वक्तव्य इस प्रकार है

'शब्दों व संगीत की वह रचना जिसे जन गण मन से सम्बोधित किया जाता है, भारत का राष्ट्रगान है; बदलाव के ऐसे विषय, अवसर आने पर सरकार अधिकृत करे और वन्दे मातरम् गान, जिसने कि भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है; को जन गण मन के समकक्ष सम्मान व पद मिले. मैं आशा करता हूं कि यह सदस्यों को सन्तुष्ट करेगा।'

PRACHI
MATHS & SCIENCE TUTORIAL
(RUN BY PRACHI HUNDAL Ma'am
TEACHING SINCE 1992)
Exclusively for
6th, 7th, 8th, 9th, 10th
CBSE/ICSE
OUR USP'S ARE
● Small Batch Size
● Maths in all the batches by Prachi Hundal Ma'am
● Science by Senior faculties
REGISTER YOURSELF TODAY
BATCHES FROM
3rd April
VENUE : 313-9B SAKET NAGAR, NEAR SPS, BEHIND BSNL OFFICE
M. 9406542737

आप सोच रहे हैं या जी रहे हैं, पहले ये तय करें!

जीवन का अस्तित्व और उसकी जड़ें वर्तमान में ही होती हैं और अगर आप कल्पना या अतीत में ही रहते हैं तो आप आज से बेखबर हो जाते हैं। कई मौकों पर सोचना भी आपको अनुभव हासिल करने से रोक देता है। जब भी आप विचार करते हैं तो मौजूदा क्षण से कट जाते हैं। विचार करना याद्दाश्त की अभिव्यक्ति है और याददाश्त का मतलब ही होता है कि बीत चुकी चीजों को देखना। इसका अर्थ यही हुआ कि जब आप विचार करते हैं तो आप अतीत में चले जाते हैं और वर्तमान से कट जाते हैं। जबकि जिंदगी मतलब तो यह है कि जो है इसी क्षण में है जबकि हम बीते क्षणों में जिंदगी की तलाश करने लगते हैं। हमारे जीने में यह बड़ी गड़बड़ी है।

जिंदगी में विचारों का अपना महत्व है लेकिन विचारों की अति नहीं होना चाहिए और विचारने की प्रक्रिया को गलत ढंग से इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। ऐसा करने पर ही भीतर दुविधा पैदा हो जाती है। विचार का अर्थ तो यही होता है कि आप अतीत की यादों में गुम हो जाएं या भविष्य की कल्पनाओं में उम्मीद बांधे खोए रहें। इस प्रक्रिया में आप जीवन की उन चीजों से महरूम हो जाते हैं जो आपके सामने घट रही हैं। यह कितना बड़ा नुकसान है कि जो नहीं है उसमें हम हैं और जो सामने हो रहा है उससे हम दूर हैं।

जीवन का अस्तित्व और उसकी जड़ें वर्तमान में ही होती हैं और अगर आप कल्पना या अतीत में ही रहते हैं तो आप आज से बेखबर हो जाते हैं।

आज के समय से आपका सरोकार होना बहुत जरूरी है तभी आप आने वाले समय में अपने लिए आनंद रच पाएंगे। अपने आज को जानना और आनंद की अवस्था में होना एक ही बात है। वर्तमान से दूर होना ही दुख है और इसलिए चीजों से बेपरवाह होना और दुखी होना दोनों अवस्थाएं साथ चलती हैं। इसलिए हमें आज को देखने की दृष्टि चाहिए। हमें आज को विचार के जरिए नहीं देखना है बल्कि शांत चित से रूबरू देखना है। इसलिए विचारों में लगाने वाली ऊर्जा को हमें वर्तमान में मौजूद रहने में लगाना चाहिए। अपने आसपास के प्रति, अपने जीवन के प्रति ज्यादा जागरूक रहना चाहिए। कई मौकों पर हम अपने इर्द-गिर्द एक कैद बुन लेते हैं और इससे बाहर आने का रास्ता सिर्फ हमें ही ढूंढना होगा। गुरु और ज्ञानी लोग तो केवल आपको मार्ग सुझा सकते हैं लेकिन बाहर आने के लिए कोशिश तो आपको ही करना होगी क्योंकि यह कैद आपने ही बनाई है। जब हम विचारों में ही खोए रहते हैं तो हम अतीत में कैद होते जाते हैं।

हम अपने अतीत को जीने लगते हैं। हम इस दुनिया से कटते चले जाते हैं। अतीत में जीने वाला व्यक्ति अपनी मान्यताएं बना लेता है। ऐसा व्यक्ति सिर्फ इच्छाओं में ही जीने लगता है कि काश ऐसा हो जाए या काश वैसा हो जाता। विचार भी हमारी इच्छाओं या हमारे दिमाग में आने वाले आयडिया का ही रूप है। अब देखिए कि इच्छा क्या करती है। वह हमें कहती है कि भविष्य अच्छा होगा और जब हम इच्छाओं के अनुरूप वस्तुएं जुटा लेंगे तो हम खुश होंगे। इस तरह इच्छाएं आपको मूर्ख बनाती हैं। विचार आपसे कहते हैं कि अगर आप इन वस्तुओं को जुटा लेंगे तो संतुष्टि आ जाएगी। जब एक बार यह होता है आपके विचार पक्के होते चलते जाते हैं और एक सेना की तरह आगे बढ़ते जाते हैं। इस प्रक्रिया में कुछ चीजें चुपचाप घटित होती हैं। आप खुद से कहने लगते हैं कि भले ही आप आज नाखुश हैं लेकिन भविष्य में आप खुश होंगे। यह एक तरह का सम्मोहन है।

तब आप नाखुश रहते हैं और यह नाखुश व्यक्ति खुशी की खोज करता है। जब आपकी इच्छाएं पूरी होती हैं तो जो कुछ प्राप्त होता है वह नाखुश व्यक्ति को प्राप्त होता है तो नाखुश व्यक्ति उस चीज से संतुष्ट नहीं होता, बल्कि वह और किसी चीज की इच्छा करता है। तब आप इस भ्रम में जीने लगते हैं कि आपकी इच्छाएं पूरी हो जाएंगी तो आप खुश हो जाएंगे मगर यह खुशी कभी नहीं आती। इसलिए वर्तमान में खुश होना सीखिए।

जानिये क्यों खास है यह बुद्ध पूर्णिमा

बुद्ध पूर्णिमा दिवस भगवान बुद्ध की बुद्धत्व की प्राप्ति हेतु मनाया जाता है. इस दिन को बोद्ध धर्म के लोग ही नहीं, बल्कि हिंदु धर्म के लोग भी बड़ी धूम-धाम से मनाते हैं. दरसल, हिंदु धर्म के अनुसार बुद्ध भगवान ,भगवान विष्णु के 9वें अवतार हैं, इसलिए यह पर्व हिन्दू धर्मावलंबियों के लिए भी बहुत खास होता है.

क्या है इस पर्व की कहानी.

भगवान बुद्ध ने जब अपने जीवन में हिंसा, पाप और मृत्यू को जाना तब उन्होनें मोह माया त्याग कर अपने गृहस्त जीवन से मुक्ती ले ली और जीवन के इस कठोर सच की खोज में निकल पड़े. लाखों साल बोधगया में बोधि वृक्ष के नीचे तपस्या कर जब उन्हें इस ज्ञान की प्राप्ती हुई तो यह दिन पूरी सृष्टि के लिए खास दिन बन गया जिसे वैशाख पूर्णिमा या बुद्ध पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है.

कैसे मनाया जाता है ये पर्व

बोद्ध धर्म मानने वाले लोगों के लिए ये सबसे बड़ा पर्व होता है. अलग अलग देश में रह रहे बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए इस त्यौहार को मनाने के रीति-रिवाज़ भी अलग अलग है. जैसे

बुद्ध जयन्ती कहां, कैसे मनाई जाती है?

1.इस पर्व के दिन घरों और मंदिरों में अगरबत्ती और दीपक जलाकर उस स्थान को प्रकाशितऔर सुगंधित बनाया जाता है.

2. प्रात: काल उठकर भगवान बुद्ध के मंदिरों में निरंतर पाठ किया जाता है जिसे करने दुनियाभर से बौद्ध धर्म के अनुयायी आते हैं. इसके के साथ ही मंदिरों में फलों का चड़ावा भी होता है.

3.इस शुभ दिन बौध वृक्ष की पूजा भी की जाती है और उस पर दूध चड़ाया जाता है.

4.श्रीलंका में तो यह शुभ दिन 'वेसाक' के नाम से मनाया जाता है.

बुद्ध पूर्णिमा पर मिलेगा वरदान

5.बोधगया जैसे पावन तीर्थ स्थानों पर तो यह त्यौहार जोरों शोरों से मनाया जाता है. कहा जाता है कि जो इस दिन बोधगया के दर्शन करता है उसकी सारी मुरादें पूरी होती हैं.

इस दिन से जुड़ी कुछ खास बातें

1. इस दिन का सबसे शुभ काम होता है पिंजरे में बंद पक्षियों को आज़ाद करना. यह दृश्य देखने लायक होता है.

2. इसके अलावा इस दिन गरीबों में कपड़े और खाना बांटा जाता है.

3. इस दिन कोई भी जना मासाहारी भोजन नहीं खाता.

4. नई दिल्ली में इस शुभ पर्व पर बुद्ध भगवान की अस्थियों को निकाला जाता है ताकी बौद्ध धर्म के अनुयायी आके दर्शन कर सकें.

यहां सूरज ही नहीं डूबता, लेकिन आस्था रहती है बरकरार!

रमजान का पवित्र माह जारी है। इस माह में मुस्लिम धर्म के अनुयायी रोजे (उपवास) रखते हैं। यह बहुत दिलचस्प है कि इस पृथ्वी पर ऐसे देश भी हैं जहां सूर्य कभी नहीं डूबता, वहां रोजे कैसे रखे जाते हैं? यह जानना बेहद रोचक है। दरअसल, आर्कटिक महाद्वीप में रहने वाले मुसलमानों के लिए रमजान के पवित्र दिनों में रोजे रखना सबसे बड़ी चुनौती है। वजह यह कि यहां सूर्य का प्रकाश लगभग 24 घंटे दिखाई देता है। यानी यहां सूर्य अस्त नहीं होता है। उत्तरी फिनलैंड में जहां सूरज सिर्फ 55 मिनट के लिए अस्त होता है। वहीं, स्वीडन और आसपास के देशों में गर्मी के महीने में कोई सूर्यास्त अनुभव नहीं कर सकता है। ठीक इसी तरह, नॉर्वे देश आर्क्टिक सर्कल के अंदर आता है। इसे मध्य रात्रि का देश भी कहा जाता है। मई से जुलाई के बीच करीब 76 दिनों तक यहां सूरज अस्त नहीं होता। रमजान में वहां रहने वाले मुस्लिम अनुयायियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

- स्वीडन में तो करीब 100 दिनों तक सूर्य अस्त नहीं होता। यहां मई से अगस्त तक सूरज नहीं डूबता। और जब ढलता है तो आधी रात को, और फिर सुबह 4:30 बजे तक निकल भी आता है।

- आइसलैंड ग्रेट ब्रिटेन के बाद यह यूरोप का सबसे बड़ा आईलैंड है। यहां 10 मई से जुलाई के अंत तक सूरज नहीं डूबता है।

- कनाडा दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश जो साल में लंबे अर्से तक बर्फ से ढका रहता है, हालांकि यहां के उत्तरी-पश्चिमी हिस्से में गर्मी के दिनों में 50 दिनों तक सूरज लगातार चमकता भी है।

जानिये, शनिवार को पीपल पर क्यों चढ़ाते हैं कच्चा दूध...

जीवन को सुखमय बनाने के लिए भगवान को नियमित रूप से याद करना और उनकी पूजा करना बहुत जरूरी होता है. कई बार ऐसा होता है कि ग्रहों की चाल बदलने से जीवन में कष्टमय हो जाता है लेकिन ग्रहों की अनिष्टदायक स्थिति को मंगलमय बनाने के लिए कुछ सरल उपाय करें तो निश्चित ही हमें शुभदायक परिणाम प्राप्त होते हैं. जीवन में नए कार्य के प्रति बनाई गई योजनाओं में लाभ भी मिलता है.

आइए जानें, ऐसे ही कुछ आसान और सरल उपाय जीवन को सुखमय बनाने के...

1. प्रत्येक शनिवार को पीपल के वृक्ष पर जल, कच्चा दूध थोड़ा चढ़ाकर, सात परिक्रमा करके सूर्य, शंकर, पीपल- इन तीनों की सविधि पूजा करें तथा चढ़े जल को नेत्रों में लगाएं और पितृ देवाय नम: भी 4 बार बोलें तो राहु+केतु, शनि+पितृ दोष का निवारण होता है.

2. प्रात: काल उठते ही माता-पिता, गुरु एवं वृद्धजनों को प्रणाम करें और उनका आत्मिक आशीर्वाद प्राप्त करके दिन को सफल बनाएं. इसके साथ ही 5 सुगंधित अगरबत्ती लगाकर दिन की शुरूआत करें.

3. नित्य प्रति गाय को गुड़-रोटी दें. हो सके तो गाय का पूजन करके आज के दिन यह कामधेनु वांछित कार्य करेगी ऐसी प्रार्थना मन में करें.

4. नित्य प्रति कुत्तों को रोटी खिलानी चाहिए और पक्षियों को दाना भी डालें तो शुभ है. 5. घर आए मेहमानों की सेवा निष्काम भाव से करनी चाहिए क्योंकि अतिथि को भगवान तुल्य माना गया है.

6. हमेशा प्रात:काल भोजन बनाते समय माताएं-बहनें एक रोटी अग्निदेव के नाम से बनाकर घी तथा गुड़ से बृहस्पति भगवान को अर्पित करें तो घर में वास्तु पुरुष को भोग लग जाता है. इससे अन्नपूर्णा भी प्रसन्न रहती हैं.

7. प्रात:स्नान करके भगवान शंकर के शिवलिंग पर जल चढ़ाकर 108 बार नम: शिवाय मंत्र की पूजा से युक्त दंडवत नमस्कार करना चाहिए.

8. स्नान के पश्चात प्रात: सूर्यनारायण भगवान को लाल पुष्प चढ़ाकर बार-बार हाथ जोड़कर नमस्कार करना चाहिए.

9. यथाशक्ति कुछ न कुछ गरीबों को दान देना चाहिए. प्रत्येक प्राणी पर दयाभाव के साथ तन-मन-धन से सहयोग यथायोग्य करना चाहिए. सेवा कर यश प्राप्ति की भावना नहीं रखें.

10. पितृ दोष से मुक्ति के लिए नित्य महागायत्री के महामंत्र की नियमित साधना करें तथा श्री रामेश्वर धाम की यात्रा कर वहां पूजन करें.

बैटिंग कोच संजय बांगड़ ने कहा, विंडीज से हार पर कोई बहाना नहीं चलेगा, धोनी की धीमी पारी पर भी रखी राय

नॉर्थ साउंड। विंडीज जैसी कमजोर टीम के सामने रविवार को टीम इंडिया के धुरंधरों ने जिस तरह से हथियार डाल दिए, वह क्रिकेट फैन्स के साथ-साथ एक्सपर्ट्स को भी हजम नहीं हो रहा है. यहां तक कि टीम इंडिया के बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ भी टीम की घटिया और लापरवाही भरी बल्लेबाजी से खासे 'नाराज' हैं. हालांकि उन्होंने विकेट धीमा होने की बात स्वीकार की, लेकिन कहा कि हम इससे बेहतर खेल सकते थे. गौरतलब है कि विंडीज के सामने टीम इंडिया 190 रन का छोटा लक्ष्य भी नहीं हासिल कर पाई और 11 रनों से मैच हार गई. पांच मैचों की सीरीज में टीम इंडिया अब भी 2-1 से आगे है, लेकिन उसने विंडीज को सीरीज में बराबरी का मौका दे दिया है...

भारतीय बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ ने कहा कि पिच बेहद धीमी थी और शॉट लगाना आसान नहीं था, लेकिन हम इससे नहीं बच सकते कि बल्लेबाजों की वजह से हम हारे हैं. टीम इंडिया के सामने 190 रन का लक्ष्य था, लेकिन एंटीगा की मुश्किल पिच पर पूरी टीम 178 रन पर आउट हो गई. संजय बांगड़ ने कहा, यह (पिच) लगातार धीमी होती गई और शॉट लगाना वास्तव में आसान नहीं था. हमने अब तक यहां जो विकेट देखे हैं उनकी प्रकृति ऐसी ही रही है. फिर भी हम वास्तव में अपनी क्षमता के अनुरूप बल्लेबाजी नहीं कर पाए. यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता था. मेरा मानना है कि बल्लेबाजों की वजह से हम यह मैच हारे.

परिस्थितियों से वाकिफ थे, फिर भी...

गौरतलब है कि तीसरे वनडे में भी पिच लगभग ऐसी ही थी, लेकिन टीम इंडिया ने पहले बैटिंग की थी और 250 से अधिक लक्ष्य खड़ा कर लिया था. बाद में उसने विंडीज का हरा दिया था. बांगड़ ने तीसरे मैच का भी जिक्र किया और कहा कि टीम इस तर की स्थितियों से वाकिफ थी. फिर संभल नहीं पाई. उन्होंने कहा, पिछले मैच में भी हमारा इस तरह की परिस्थितियों से पाला पड़ा था जब हमने पहले दस ओवरों में दो विकेट गंवा दिये थे लेकिन तब भी हम इस तरह के विकेट पर 260 रन बनाने में सफल रहे थे. हम ऐसे विकेटों पर खेल रहे हैं जिन पर खेलना आसान नहीं है.

धोनी का किया बचाव...

कोच बांगड़ ने बल्लेबाजी रणनीति को लेकर कहा कि उनका उद्देश्य था कि कोई एक बल्लेबाज अंत तक खेले. तभी अंजिक्य रहाणे ने 91 गेंदों पर 60 और महेंद्र सिंह धोनी ने 114 गेंदों पर 54 रन बनाए. बांगड़ ने हालांकि अन्य खिलाड़ियों की तरह धोनी

का भी बचाव किया, जिनकी धीमी बल्लेबाजी के लिए आलोचना हो रही है. उन्होंने कहा, हमारी रणनीति थी कोई आखिर तक एक छोर संभाले रखे. अंजिक्य ने आउट होने से पहले यह भूमिका निभाई. जब हम अच्छी स्थिति में थे तभी हमने दो विकेट गंवा दिए. बीच के ओवरों में ये विकेट गंवाने से हम वास्तव में बैकफुट पर चले गए. इसके बाद रन रेट लगातार बढ़ता रहा. विंडीज सीरीज का अंतिम मैच गुरुवार को खेला जाएगा और इसी मैच से सीरीज विजेता का फैसला होगा. टीम इंडिया जहां उस जीतकर सीरीज जीतना चाहेगी, वहीं विंडीज के पास बराबरी करने का मौका है।1

भारतीय महिला हाकी टीम इंग्लैंड से 1-4 से हारी, अब पांचवें से आठवें स्थान के लिए खेलेगी

जोहानिसबर्ग। भारत को महिला हाकी विश्व लीग सेमीफाइनल्स के क्वार्टर फाइनल में मंगलवार को यहां इंग्लैंड के हाथों 1-4 से हार का सामना करना पड़ा. भारत की तरफ से एक मात्र गोल ड्रैग फ्लिकर गुरजीत कौर ने 57वें मिनट में किया. इंग्लैंड के लिए जिसेल एनस्ले (6वें मिनट), अलेक्स डेनसन (13वें मिनट), सुसान टाउनसेंड (42वें मिनट) और हन्नाह मार्टिन (60वें मिनट) ने गोल किए. भारत अब पांचवें से आठवें स्थान के लिए मैच खेलेगा जो 20 जुलाई को होगा. इंग्लैंड ने शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाया और लगातार तीन पेनल्टी कार्नर हासिल करके भारत को बैकफुट पर रखा. उसने पहले क्वार्टर में ही दो गोल करके भारतीय टीम को दबाव में ला दिया. भारत इससे आखिर तक नहीं उबर पाया.

SWATI
Tution Classes
Don't waste time Rush
Immediately for
Coming Session 2017-2018
Personalized
Tution
up to
7th Class
for
All Subjets
Special Classes
for
Sanskrit
Contact: Swati Tution Classes
Sagar Premium Tower, D-Block, Flat No. 007
Mobile : 9425313620, 9425313619

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा महर्षि प्रिंटर्स प्रा.लि. प्लाट नं. 23-24 पर्मिला भवन, इन्द्रा प्रेस काम्प्लेक्स, एम.पी. नगर, जोन-1, भोपाल - म. प्र से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505,आर.एन.आई. नं. MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)